# आरती श्री शिव जी

ॐ जय शिव ओंकारा, ॐ जय शिव ओंकारा.

ब्रह्मा, विष्णु , सदाशिव, अर्द्धांगी धारा. ॐ जय...

एकानन, चतुरानन, पंचानन राजे.

हंसानन, गरुड़ासन, वृषवाहन साजे. ॐ जय...

दो भुज चार चतुर्भुज, दस भुज अति सोहे.

तीनों रुप निरखता, त्रिभुवन जन मोहे. ॐ जय...

अक्षमाला वनमाला, रुण्डमाला धारी.

चन्दन मृग मद सोहे , भोले शुभकारी. ॐ जय...

श्वेताम्बर, पीताम्बर, बाघम्बर अंगे.

सनकादिक, ब्रह्मादिक, भूतादिक संगे. ॐ जय...

कर में मध्य कमंडल चक्र त्रिशूल धरता.

जग करता दुख हरता, जग पालन करता. ॐ जय...

ब्रह्मा, विष्णु सदाशिव, जानत अविवेका

प्रणवाक्षर के मध्य, ये तीनों एका. ॐ जय...

त्रिगुण स्वामी जी की आरती जो कोई नर गावे.

कहत शिवानन्द स्वामी, मन वांछित फ़ल पावै. ॐ जय...

www.totalbhakti.com